नामांक Roll No.

No. of Questions — 3

No. of Printed Pages — 7

SS—34—T.W. (Hindi)

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2014
SENIOR SECONDARY EXAMINATION, 2014

हिन्दी टंकण लिपि

(TYPEWRITING HINDI)

समय — 1 घण्टा

पूर्णांक — 40

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

(1) परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांक अनिवार्यत: लिखें ।

(2) प्रत्येक कागज के एक तरफ टंकण करें ।

(3) प्रत्येक प्रश्न को नये पृष्ठ से आरम्भ करना है ।

(4) प्रत्येक लाइन के बीच में द्विगुणित अवकाश (Double Spacing) देकर टंकण करना है ।

(5) प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक सजावट के निर्धारित है ।

1. निम्नलिखित अवतरण को टंकित कीजिए :

अंक

टंकण — 18

सजावट — 2

कुल — 20

<u>कैसे हो हर कार्य में सफल ?</u>

सफलता का रहस्य है — कार्य कुशलता एवं समय का प्रबन्धन । जो इस रहस्य को जानते हैं, वे सफलता के शिखर पर पहुँचते हैं, परन्तु इससे अनभिज्ञ एवं इस क्षेत्र को नजर अन्दाज करनेवाले अथक श्रम के बावजूद असफल होते देखे जाते हैं । सफलता कोई अलादीन का चिराग नहीं है कि जो चाहे मिल गया और जब चाहे हाजिर हो गया । यह कुशलता पूर्वक किये जाने वाले कार्य का आत्म विश्वास, वादा एवं समय को ध्यान में रखकर किये जाने वाले कार्य का परिणाम है ।

सफलता प्राप्त करने के लिए कुछ बातों को ध्यान में रखना चाहिए जिनमें सबसे पहले निशाना यानी लक्ष्य पर नजर रखनी चाहिए । सर्वप्रथम अपना लक्ष्य तैयार करना चाहिए । लक्ष्य बेशक बड़ा हो, परन्तु उसे प्राप्त करने के लिए छोटे-छोटे लक्ष्य बनाना चाहिए । लक्ष्य को क्रमशः बड़ा बनाना चाहिए और इसके लिए एक योजना की जरूरत पड़ती है, जिसे अपनी डायरी में लिख लेना चाहिए ताकि छोटी परन्तु आवश्यक बातें छूट न जायें ।

बने निर्मल सोच के स्वामी — जीवन की निर्मलता का पहला मंत्र है जिसे हमें अपने जीवन में जीना है, उतारना है, आचमन करना है । पल-प्रतिपल इस मंत्र को जीना है । जीवन के कायाकल्प के लिये पहला मंत्र है — व्यक्ति अपनी सोच को निर्मल बनाये । आपने सामायिक की या नहीं, आगम या गीता का पारायण किया या नहीं, ये सब बातें गौण हैं । पहले अपनी सोच को निर्मल बनायें । यह वह मंत्र है जो सुबह भी हमें आनन्द से भरेगा और भरी दोपहर में भी आपके मन को शान्ति देगा । हर व्यक्ति दूसरे से महान् व श्रेष्ठ होना चाहता है, पर श्रेष्ठताएँ धन या सौन्दर्य अथवा पद से नहीं अपितु बेहतर सोच से आती हैं । अपनी सोच को निर्मल बनायें । उत्तम-जीवन जीने के लिए जरूरी है कि व्यक्ति अपनी सोच को उत्तम बनाए । घटिया सोच रखने वाला व्यक्ति कभी भी बढ़िया जीवन नहीं जी सकता ।

वर्तमान को सार्थक बनाने एवं लक्ष्य की ओर अग्रसर होने के लिए अगली महत्वपूर्ण बात है सकारात्मक सोच । सकारात्मक सोच से लक्ष्य का आधा भाग तय कर लिया जाता है । देखने का नजरिया हमारी सफलता व असफलता का दिशा निर्धारण करता है । इसके साथ ही काम को निश्चित समय एवं अवधि के अन्दर पूरा करने की आदत डालनी चाहिए । समय पर किया गया कार्य हमारे अनुशासन को दर्शाता है । हम यदि अपने कार्य को उचित ढंग से निश्चित समय में पूरा करते हैं तो हमारे साथ काम करने वाले का भी समय बचता है ।

लक्ष्य के लिए चल पड़े तो फिर पीछे मुड़कर नहीं देखना चाहिए । आगे आने वाली हर कठिनाई का डटकर सामना करना चाहिए । हर कार्य में चुनौती तो होगी, परन्तु उसे हम किस कुशलता के साथ पूरा कर पाते हैं, यह हमारी कार्यशैली पर निर्भर करता है । जिस काम को हमें करना है, उसे बेहतर ढंग से करने के लिए हमें अपनी कुशलता को विकसित करना चाहिए ।

हमें अपने लक्ष्य को पाने के लिए सर्वाधिक महत्व की बात है वादा । वादा — अर्थात् जो हम कहते हैं, उसे निभाना आना चाहिए । वादा लक्ष्य प्राप्ति का उत्तम साधन है । जो अपने दिये गये वचन पर अडिग रहता है, वही प्रामाणिक होता है । सफलता के लिए मौलिकता का होना भी जरूरी है । मौलिकता का अर्थ है, अपनी क्षमता के अनुरूप निजी विशेषता । हमें अपने जैसा बनना चाहिए, किसी और जैसा नहीं । मौलिक क्षमता प्रबल हो तो हम उसी के अनुरूप प्रतिष्ठित व सम्मानित हो सकते हैं ।

सफलता एक योजना है, जिसे चरण बद्ध ढंग से सुनियोजित तरीके से पूरा किया जाता है । उपर्युक्त ढंग से यदि कार्य किया जाए तो सफलता अवश्य ही उपलब्ध होगी । सफलता के लिए इस योजना को क्रियान्वित करना चाहिए । यदि फिर भी असफलता मिलती है तो उसके पीछे के कारणों को ढूंढ़कर उनका निराकरण करते हुए परिवर्तित योजनापूर्वक फिर से प्रयास करना चाहिए । इससे सफलता अवश्य प्राप्त होगी ।

''कैसे हो हर कार्य में सफल'' इसमें सफलता प्राप्त करने के लिये उक्त बातों को अपने जीवन में अपनाने से सफलता हमारे कदम चूमेगी ।

2. निम्नलिखित पत्र को यथोचित रूप देकर टंकित कीजिए :

अंक

टंकण — 8

सजावट — 2

कुल — 10

राजकुमार एण्ड संस

(कपड़े के थोक व्यापारी)

28, रामपुरा बाजार, उज्जैन

पत्रांक : 777 दिनांक — 20 दिसम्बर, 2013

शाखा प्रबन्धक,

स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया,

रामपुरा - उज्जैन ।

विषय : अधिविकर्ष सुविधा प्रदान करने हेतु आग्रह ।

प्रिय महोदय,

उपरोक्त विषय में निवेदन है कि हमारी फर्म साड़ी व्यवसाय की है और गत 10 वर्षों से उज्जैन में कार्यरत है । प्रतिदिन की बिक्री लगभग 60 हजार रु० तक की होती है तथा बिक्री राशि अगले ही दिन बैंक खाते में जमा करवाने की हमारी परम्परा रही है ।

हमारी फर्म का चालू खाता संख्या 0940001575 आपकी शाखा में है । बैंकिंग लेनदेन इसी खाते से होता है । हमारे खाते में 1,00,000 रु० का शेष हमेशा रहता है । 14 जनवरी, 2014 के बाद विवाह मुहर्त आरंभ हो रहे हैं । वैवाहिक माँग की पूर्ति हेतु हम सूरत से साड़ियों की फर्मों से बड़ा स्टॉक साड़ियों का क्रय करना चाहते हैं । इस हेतु हमें 40 प्रतिशत राशि आग्रिम भेजनी हैं । इस उद्देश्य से हम अपने चालू खाते पर 4 लाख रु० की आपसे अधिविकर्ष की सुविधा लेना चाहते हैं । इस हेतु यदि आप अन्य किसी व्यावसायिक प्रतिष्ठान से हमारी गारन्टी लेना चाहें तो हम इसके लिए सहमत हैं ।

हमारी संस्थान के पिछले 3 वर्षों का स्थिति विवरण संलग्न है । कृपया हमारे आग्रह के अनुसार अधिविकर्ष की सुविधा प्रदान कर अनुग्रहित करें ।

भवदीय

राज कुमार एण्ड संस के लिए,

राजकुमार

साझेदार ।

3. निम्नलिखित सारणी को यथोचित रूप देकर टंकित कीजिए :

अंक

टंकण — 8

सजावट — 2

कुल — 10

विभिन्न देशों द्वारा शक्कर का आयात (लाख किलो ग्राम में)

क्रम सं०	देश	2008-2009	2009-2010	2010-2011	2011-2012
1	इंगलैण्ड	345·0	650·5	891·0	937·0
2	रूस	386·0	394·4	635·5	808·9
3	मिस्र	113·0	160·7	138·2	160·0
4	अमेरिका	161·5	221·6	257·2	324·3
5	अफगानिस्तान	253·8	302·0	495·7	678·2
6	ईरान	153·8	175·0	285·5	355·1
7	प० जर्मनी	141·0	254·0	349·6	450·0
8	आस्ट्रेलिया	131·6	259·0	331·5	480·8
9	इराक	162·0	255·4	441·4	632·6
10	आयरलैण्ड	82·5	53·3	25·0	19·1